Washington स्कूल 2020 दुबारा खोलना: विशेष शिक्षा संबंधी सलाह (Reopening Washington Schools 2020: Special Education Guidance)

यह *Washington स्कूल 2020 को दुबारा खोलना: विशेष शिक्षा संबंधी सलाह का संक्षिप्त विवरण* विकलांग विद्यार्थियों के परिवारों की यह जानने में मदद करेगा कि जब स्कूल दुबारा खुलेंगे तो क्या उम्मीद रखी जाए। यह परिवारों को अपने विद्यार्थियों के लिए निर्णय लेने में भी मदद करेगा। जानकारी में ऑनलाइन, व्यक्तिगत और हाईब्रिड दोनों तरह से सीखने की कार्यनीतियां हैं।

Washington स्कूल 2020 दुबारा खोलने के लिए विशेष शिक्षा संबंधी योजना बनाना

विचार करने के लिए धारणाएं तय करना (Scheduling Concepts for Consideration)

यह सलाह, दुबारा खोलने और विशेष शिक्षा संबंधि सेवाएं प्रदान करने में स्कूलों की मदद के लिए लिखी गई थी। सेवाएं, ऑनलाइन, व्यक्तिगत या हाईब्रिड के द्वारा, दोनों तरह से प्रदान की जा सकती हैं।

2020 में Washington स्कूलों को दुबारा खोलने के लिए विशेष शिक्षा संबंधी योजना बनाने की गाइड (Special Education Planning Guide for Reopening Washington Schools in 2020)

- फार्म में पारिवारिक भागीदारी, भाषा संबंधी पहुंच और तकनीक के बारे में सलाह देने वाले सवाल हैं। विद्यार्थियों और स्टाफ को सहयोग करने के बारे में भी सवाल हैं।
- फार्म में कार्रवाईयों, समय सीमाओं की योजना बनाने के लिए और इसके लिए भी जगह है कि टीमें सफलता का आकलन कैसे करेंगी।

COVID-19 के कारण स्कूल फैसिलिटी बंद होने के परिणामस्वरूप बहाली सेवाओं की जरूरत है (Recovery Services Needs as a Result of COVID-19 School Facility Closure)

- स्कूलों के दुबारा खुलने पर विकलांग विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त सेवाएं मौजूद हैं। सभी विद्यार्थियों को अतिरिक्त सेवाओं की जरूरत नहीं है।
- टीमों को, वसंत 2020 के दौरान चूके स्कूल और चूकी सेवाओं के कारण विद्यार्थियों की जरूरतों की पहचान करनी चाहिए।
- बहाली सेवाएं, स्कूल के समय के बाद या स्कूल दिन के दौरान प्रदान की जा सकती हैं।

स्टाफ संबंधी चिंतन (Staffing Considerations)

- पूरे स्टाफ को प्रशिक्षण दें कि विकलांग विद्यार्थियों को सहयोग कैसे करें। स्टाफ को सुलभ तकनीक का

उपयोग करने का प्रशिक्षण दें.

- पूरे स्टाफ को प्रशिक्षण दें कि दुभाषियों की मांग कैसे करें और उनके साथ काम कैसे करें।
- सुनिश्चित करें कि पूरा स्टाफ जानता है कि विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहयोग की मांग कैसे करनी है। उस समय के लिए विद्यार्थियों को सहयोग करने की बैक-अप योजनाएं बनाएं, जब कोई शिक्षक बीमार हो।

स्कूल को दुबारा खोलने के मॉडल्स की निरंतर सफलता के लिए भागीदारी वाली पद्धतियां

पारिवारिक साझेदारी और संचार (Family Partnerships and Communication)

- स्कूलों को घर में और स्कूल की बिल्डिंगों में विद्यार्थियों की जरूरतों को सहयोग करने के लिए परिवारों के साथ काम करना चाहिए।
- सुनिश्चित करें कि पूरा स्टाफ जानता है कि जातिवाद, विकलांग विद्यार्थियों और उनके परिवारों को विकलांगता की वजह से पक्षपात और मानसिक आघात का कैसे प्रभाव पड़ता है।
- स्कूलों को ऐसे तरीकों से संचार करना चाहिए, जो परिवारों के लिए सबसे अधिक उपयोगी हों। संचार, घर में बोली जाने वाली भाषा में होना चाहिए।
- स्कूलों को सभी परिवारों तक पहुंचने तक, प्रयास करते रहना चाहिए।
- जिन परिवारों की चिंताएं हैं, उन्हें अपने स्कूल और/अथवा डिस्ट्रिक्ट को संपर्क करना चाहिए।

विद्यार्थी भागीदारी, सामाजिक-भावनात्मक और व्यवहार संबंधी सहयोग (Student Engagement, Social-Emotional, and Behavioral Supports)

- स्कूलों को सभी विद्यार्थियों की सामाजिक, भावनात्मक और व्यवहार संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद करनी चाहिए।
- सुनिश्चित करें कि पूरा स्टाफ जानता है कि इस तरीके से विद्यार्थियों की मदद कैसे की जाए, जिससे विभिन्न संस्कृतियों का सम्मान हो।
- सुनिश्चित करें कि पूरा स्टाफ जानता है कि उन विद्यार्थियों की मदद कैसे की जाए, जिन्होंने मानसिक आघात का अनुभव किया है।

निरंतर सीखने के लिए निर्देशात्मक डिलीवरी और वैश्विक डिज़ाइन (Instructional Delivery and Universal Design for Continuous Learning)

- पूरे स्टाफ को विकलांग विद्यार्थियों की मदद के लिए, विशेष शिक्षा संबंधी अध्यापकों के साथ काम करना चाहिए।
- सभी विद्यार्थियों और परिवारों को, ऑनलाइन पाठ सामग्री और समय सारणी तक पहुंच की जरूरत है। ऑनलाइन समय सारणियां लचीली होनी चाहिएं।
- विद्यार्थियों को सुविधाजनक प्रबंध व सहयोग, ऑनलाइन और व्यक्तिगत दोनों तरह से प्राप्त होने आवश्यक हैं।

स्कूल के दुबारा खुलने पर विशेष शिक्षा संबंधी सेवाएं

मूल्यांकन और पात्रता (Evaluations and Eligibility)

- टीमों को अकादमिक और व्यवहार संबंधी सहयोग के लिए सभी विद्यार्थियों के लिए प्रगति का निरीक्षण करना चाहिए।
- स्कूल डिस्ट्रिक्ट के लिए विकलांग विद्यार्थियों को ढूंढकर उनका सहयोग करना आवश्यक है। इस प्रक्रिया को चाइल्ड फाइंड कहा जाता है।
- टीमों को परिवारों से, स्कूल में और घर में विद्यार्थियों की जरूरतों के बारे में बात करनी चाहिए। टीमों को वसंत 2020 में स्कूल बंद होने के कारण होने वाली जरूरतों के बारे में भी विचारविमर्श करना चाहिए।
- मूल्यांकन के लिए डेटे को, व्यक्तिगत रूप से या ऑनलाइन पूरे किए निरीक्षणों और टेस्टों में शामिल किया जा सकता है। जिन मूल्यांकनों में देर हो गई हो, उन्हें जल्दी से जल्दी पूरा किया जाना चाहिए।

व्यक्तिपरक शिक्षा प्रोग्राम (Individualized Education Program) (IEP) संबंधी विकास

- विद्यार्थियों को IEP सेवाएं मिलना आवश्यक है। सेवाएं ऑनलाइन, व्यक्तिगत, या दोनों तरह से प्रदान की जा सकती हैं।
    - बहुत-से विद्यार्थी, ऑनलाइन या ऑनलाइन और व्यक्तिगत के हाईब्रिड के द्वारा सीख सकते हैं।
    - कुछ विद्यार्थियों को सीखने के लिए व्यक्तिगत पढ़ाई की जरूरत होती है। जब ऐसा करना सुरक्षित हो, तो स्कूलों को व्यक्तिगत रूप से वो सेवाएं प्रदान करनी चाहिएं।
- यदि विद्यार्थियों को सुरक्षा के मद्देनज़र समूहों में बांटा जाता है, तो स्कूलों को सचेत रहना चाहिए कि व विकलांग विद्यार्थियों को और अलग न करें। प्लेसमेंट संबंधी निर्णय, विद्यार्थी की जरूरत के आधार पर, व्यक्तिगत रूप से लेने चाहिएं।
- सेवाएं, एक-एक विद्यार्थी को, छोटे समूहों में या कक्षा में प्रदान की जा सकती हैं।
    - विशेष रूप से तैयार की गई पढ़ाई (Specially Designed Instruction) (SDI) वह अध्यापन है, जिसे विकलांग विद्यार्थी की मदद के लिए बदला गया है।
    - संबंधित सेवाएं, विद्यार्थियों की विशेष शिक्षा से लाभ पाने में मदद करती हैं। सहयोग में, भाषा, गतिविधि, यातायात आदि शामिल हो सकते हैं।
    - पूरक सहायता और सेवाएं, विकलांग विद्यार्थियों की आम शिक्षा परिवेसों में मदद करती हैं। इसमें एक-एक विद्यार्थी को या समूहों में, पैराएजुकेटर से सहयोग शामिल हो सकता है।
- पूरा स्टाफ, विकलांग विद्यार्थियों की मदद कर सकता है। विशेष शिक्षा संबंधी स्टाफ के लिए पढ़ाई को डिज़ाईन करना और प्रगति का निरीक्षण करना आवश्यक है।
- परिवार, घर पर और ऑनलाइन सीखने में विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं। जरूरत पड़ने पर स्कूलों को परिवारों को प्रशिक्षण और सहयोग देना चाहिए।

तकनीकी सहयोग और सहायक तकनीक (Technology Supports and Assistive Technology) (AT)

- तकनीक, विकलांग विद्यार्थियों की ऑनलाइन, व्यक्तिगत, या दोनों तरह से सीखने में मदद कर सकती है।
- स्कूलों के लिए आवश्यक है कि वे विद्यार्थियों को सीखने में मदद के लिए उनकी IEP में तकनीक प्रदान करें। स्कूलों को इस पर विचार करना चाहिए कि अतिरिक्त तकनीक, विकलांग विद्यार्थियों की सीखने में कैसे मदद कर सकती है।
- स्कूलों के लिए यह सीखने में भी परिवारों की मदद करनी आवश्यक है कि जब विद्यार्थी ऑनलाइन सीखेंगे तो तकनीक का उपयोग कैसा करना है।
- सुनिश्चित करें कि पूरा स्टाफ जानता है कि तकनीक, विकलांग विद्यार्थियों की सीखने में कैसे मदद कर सकती है और इसे कैसे शामिल किया जाना चाहिए।

व्यक्तिगत विद्यार्थी जरूरतों को सहयोग देने के लिए विशेष कार्यनीतियां (Specific Strategies for Supporting Individualized Student Needs)

- स्कूलों के दुबारा खुलने पर विद्यार्थियों को मुश्किलें आ सकती हैं।
    - उन्हें स्कूल में, ऑनलाइन या दोनों तरह से नई दिनचर्या सीखने में मदद की जरूरत हो सकती है।
    - विद्यार्थियों को स्वावलंबन के लिए समय सारणियों और तकनीक का उपयोग करते हुए अभ्यास करना चाहिए।
- स्कूलों को व्यवहार संबंधी सहयोग प्रदान करना चाहिए ताकि सभी विद्यार्थी सीख सकें।
    - स्टाफ को सकारात्मक व्यवहार संबंधी सहायता पर ध्यान देना चाहिए और सज़ा देने से बचना चाहिए।
    - इन सहयोग से उन विद्यार्थियों को मदद मिलनी चाहिए, जिनकी भावनात्मक जरूरतें हैं।
- अलग जरूरतों वाले विद्यार्थियों के लिए, विशेषज्ञों को स्कूल में, ऑनलाइन या दोनों तरह से सहयोग प्रदान करने के लिए, अध्यापकों और परिवारों के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

प्रगति का निरीक्षण व रिपोर्टिंग (Progress Monitoring and Reporting)

- स्कूलों के लिए आवश्यक है कि वे प्रत्येक IEP लक्ष्य व उद्देश्य पर विद्यार्थी की प्रगति के दस्तावेज़ तैयार करें।
- प्रगति रिपोर्टों में नोट किया जाना चाहिए कि कौन-सी सेवाएं ऑनलाइन या व्यक्तिगत थीं।
- परिवारों को IEP में तय किए मुताबिक प्रगति रिपोर्टें मिलनी आवश्यक हैं।
- परिवारों को विद्यार्थी की प्रगति का निरीक्षण करने में स्कूलों की मदद करने के लिए कहा जा सकता है।

आरंभिक प्रशिक्षण (Early Learning)

- सुनिश्चित करें कि प्रीस्कूल का पूरा स्टाफ जानता है कि छोटे विकलांग बच्चों को ऑनलाइन, व्यक्तिगत, या दोनों तरह से सीखने में कैसे मदद की जाए। सीखने की गतिविधियां लचीली और छोटी होनी चाहिएं।
- टीमों के लिए आवश्यक है कि वे छोटे विकलांग बच्चों के परिवारों के साथ बार-बार संपर्क करती रहें।
- टीमों के लिए आवश्यक है कि छोटे विकलांग बच्चों को घर पर सहयोग देने में परिवारों की मदद करने के लिए उनके साथ काम करें।
- सेवाएं प्राप्त करने वाले 2 वर्ष के विकलांग बच्चों का मूल्यांकन और होना चाहिए और उनके 3 वर्ष का होने तक IEP तैयार होनी चाहिए।

ग्रैजुएशन और सेकंडरी ट्रांज़िशन (Graduation and Secondary Transition)

- मिडल और हाई स्कूल में पढ़ने वाले प्रत्येक विद्यार्थी के पास हाई स्कूल और उससे आगे की योजना (High School and Beyond Plan) (HSBP) होनी चाहिए। HSBP, प्रत्येक विकलांग बच्चे के लिए IEP ट्रांज़िशन सेवाओं के अनुरूप होनी चाहिए।
- टीमों को स्कूल में, ऑनलाइन, या दोनों तरह से ट्रांज़िशन सेवाओं की योजना बनानी चाहिए। इसमें कैरियर की पड़ताल भी शामिल करना आवश्यक है।
- हाई स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बहाली ट्रांज़िशन सेवाओं की जरूरत हो सकती है। इसमें वे विद्यार्थी शामिल हो सकते हैं, जो ग्रैजुएट हुए हैं या वसंत 2020 में 21 वर्ष के हुए हैं।